भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 346 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मयिलादुथुराई रेलवे स्टेशन

***346. कु. सुधा आर.:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में करोड़ों रुपये के प्रावधान वाली अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) की वर्तमान स्थिति क्या है और इस योजना के अंतर्गत राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितने प्रतिशत कार्य पूरे किए गए हैं;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत राज्य/संघ राज्यक्षेत्र और मंडल-वार कौन-कौन से स्टेशनों को आधुनिकीकरण और पुनरुद्धार के लिए चिह्नित किया गया है और अब तक कितने स्टेशनों को शामिल किया गया है;

(ग) क्या उक्त योजना के अंतर्गत और अधिक स्टेशनों को शामिल करने की योजना है और यदि हां, तो इसमें शामिल किए जाने के लिए आवेदन प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(घ) मयिलादुथुराई रेलवे स्टेशन के उद्धाटन की प्रस्तावित तारीख क्या है और उक्त स्टेशन पर कितने प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है; और

(ङ) क्या उक्त योजना के अंतर्गत मयिलादुथुराई रेलवे स्टेशन सहित अन्य स्टेशनों में पूरे किए गए कार्य की गुणवत्ता की जांच करने के लिए कोई गुणवत्ता संपरीक्षा की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 12.08.2026 को लोक सभा में तारांकित प्रश्न सं. 346 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): तमिलनाडु में स्थित मयिलाडुतुरै लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के मयिलाडुतुरै जंक्शन स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने हेतु चिह्नित किया गया है। इस स्टेशन पर निम्नलिखित कार्य पूरे किए जा चुके हैं:

- स्टेशन भवन का सुधार कार्य
- नए प्रवेश द्वार प्रांगण का विकास
- बुकिंग काउंटर का सुधार कार्य
- कॉनकोर्स में सुधार कार्य
- परिचलन क्षेत्र और भूसुदर्शनीकरण में सुधार कार्य
- एस्केलेटर का प्रावधान
- दुपहिया और चौपहिया वाहनों के लिए पार्किंग में सुधार कार्य
- प्रतीक्षालय का सुधार कार्य
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार कार्य
- पार्सल कार्यालय का सुधार कार्य
- प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- पेयजल बूथ का प्रावधान
- नए शौचालय ब्लॉक का प्रावधान
- प्रवेश/निकास द्वार का प्रावधान
- संकेतकों की संस्थापना

इसके अलावा, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और लिफ्टों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

तमिलनाडु में स्थित मयिलाडुतुरै लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के कुंभकोणम स्टेशन को भी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चिह्नित किया गया है। इस स्टेशन पर, इस योजना के तहत पुनर्विकास के कार्यों को स्वीकृति दी गई है। पुनर्विकास कार्य से संबंधित मास्टर योजना में निम्नलिखित कार्यों की परिकल्पना की गई है:

- नए स्टेशन भवन का प्रावधान
- 06 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल
- विशाल प्रतीक्षा क्षेत्र
- प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- पार्सल कार्यालय
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार कार्य
- परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार कार्य
- लिफ्टों और एस्केलेटरों का प्रावधान
- कर्मचारियों के लिए आवासीय भवन
- यार्ड का पुनर्निर्माण

नए स्टेशन भवन का निर्माण, प्लेटफॉर्म संख्या 4 का विस्तार, पार्सल कार्यालय, आवासीय भवन, जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर के लिए निर्माण और यार्ड के पुनर्निर्माण कार्य के संबंध में नए समपार फाटक लॉज का कार्य शुरू किया गया है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से मयिलाडुतुरै जंक्शन स्टेशन सहित 77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अम्बासमुद्रम, अंबत्तूर, अरक्कोणम् जंक्शन, अरियालुर, अवदी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्नसेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरि, दिंडुक्कल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस,

		कराइक्कुडी जंक्शन, करूर जंक्शन, काटपाडी जंक्शन, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मणप्पारै, मन्नारगुडी, मयिलाडुतुरै जंक्शन, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोविल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची जंक्शन, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, पुराची थलाईवर डॉ. एम.जी.रामचंद्रन सेंट्रल, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन, तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरूवण्णामलै, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरूदुनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

स्टेशनों को क्षेत्रीय रेलों से प्राप्त प्रस्तावों, प्रमुख शहरों तथा पर्यटन एवं तीर्थाटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों में स्थित स्टेशनों के आधार चुना जाता है।

तमिलनाडु राज्य में स्टेशन जहां कार्य पूरा किया जा चुका है:

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। तमिलनाडु राज्य में स्टेशनों, जहां कार्य पूरे किए गए हैं, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	26	अम्बासमुद्रम, बोम्मिडी, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्नसेलम, कुन्नूर, करैक्कुडी जंक्शन, कुलितुरई, मांबलम, मणप्पारै, मन्नारगुडी, मोरप्पुर, नामक्कल, पलानी, परमक्कुडि, पोल्लाची जंक्शन, पोलुर, सामलपट्टी,

		शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, तिरुवरूर जंक्शन, तिरूवण्णामलै, उदगमण्डलम, वृद्धाचलम जंक्शन

- चिन्नसेलम: चिन्नसेलम स्टेशन के पुनर्विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जिनमें स्टेशन भवन, प्रांगण, परिचलन क्षेत्र, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार कार्य, प्रतीक्षालय, शौचालय, दिव्यांगजनों की सुविधाएं, नया 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल और लिफ्टों के कार्य शामिल हैं।

- मणप्पारै स्टेशन: मणप्पारै स्टेशन के पुनर्विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जिसमें स्टेशन भवन का सुधार कार्य, पार्किंग के साथ परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, दिव्यांगजनों हेतु सुविधाएं, नया प्रतीक्षालय, नया 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल और लिफ्टों के कार्य शामिल हैं।

- बोम्मिडी स्टेशन: बोम्मिडी स्टेशन के पुनर्विकास संबंधी कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जिसमें स्टेशन भवन का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पार्किंग, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार कार्य, दिव्यांगजनों हेतु सुविधाएं, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टरों का प्रावधान, नया प्रतीक्षालय, शौचालय का सुधार कार्य, नया 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल और लिफ्टों के कार्य शामिल हैं।

तमिलनाडु राज्य के शेष स्टेशनों के कार्य निष्पादन/निविदा प्रक्रिया/मास्टर प्लानिंग के विभिन्न चरणों में है। कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु राज्य के अन्य स्टेशन

- चेन्नै एग्मोर स्टेशन: पार्सल भवन का कार्य, गांधी-इरविन (जीआई) रोड की ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, पूनमल्लई हाई (पीएच) रोड की ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग और सब-स्टेशन

भवन के संरचना संबंधी कार्य पूरे किए जा चुके हैं। गांधी-इरविन रोड की ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, पूनमल्लई हाई की ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, सब-स्टेशन भवन, गांधी-इरविन रोड की ओर टर्मिनल भवन का संरचना संबंधी कार्य, पूनमल्लई हाई की ओर टर्मिनल भवन का नींव संबंधी कार्य, आगमन ऊपरी पैदल पुल और एयर कॉनकोर्स के कार्य शुरू किए गए हैं।

- विरूदुनगर स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार के सुधार कार्य, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड और गाड़ी संकेतन बोर्ड संस्थापित करने के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार प्रांगण के सुधार कार्य और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- करूर जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पार्किंग, मुख्य प्रवेश द्वार, प्रतीक्षालय, शौचालय, पार्सल कार्यालय भवन, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार कार्य और प्लेटफॉर्म सं. 1 की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य पूरा किया जा चुका है। लिफ्टों और एस्केलेटरों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- तंजावुर जंक्शन स्टेशन: प्रवेश प्रांगण का कार्य, परिचलन क्षेत्र, कॉनकोर्स, भूमिगत पार पुल, प्लेटफॉर्म शेल्टर, आगमन लॉबी, निकास द्वार, बुकिंग कार्यालय के सुधार कार्य, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, गाड़ी संकेतक बोर्ड और संकेतपट लगाने के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। पार्किंग, लिफ्टों और एस्केलेटरों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए मास्टर प्लान तैयार करने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वॉटर बूथ में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/सबवे का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणालियां
- एयर कॉन्कोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों और दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

1340 स्टेशनों में से 261 स्टेशनों पर कार्य पूरे किए गए हैं और शेष स्टेशनों पर कार्य निष्पादन/निविदा प्रक्रिया/मास्टर प्लानिंग के विभिन्न चरणों में हैं। स्टेशनों, जहां कार्य पूरे किए गए हैं, के नाम निम्नानुसार हैं:

ऐशबाग जंक्शन, अलनावर, अंब अंदौरा, अम्बासमुद्रम, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अंगमाली फॉर कालड़ी, अशोकनगर, अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावां, बादामी, बागलकोट,

बहेरी, बैजनाथ पपरोला, बालाघाट, बलांगीर, बालोद, बलरामपुर, बनमनखी, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भक्तिनगर, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिंड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, भायखला, चाईबासा, चालाकुडी, चंपा, चांदा फोर्ट, चांडिल, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, छिंदवाड़ा, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्नसेलम, चिरायिंकीझ, चुनार जंक्शन, कुन्नूर, कंबम, कटक, डाकोर, डालीगंज, दल्लीराझरा, दौरम मधेपुरा, दौसा, डीग, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धामपुर, धारवाड़, धुले, दीघा, डोंगरगढ़, एलुरु, फतेहाबाद, फतेहनगर, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, फेरोक, गडग, गंगापुर सिटी, गरबेटा, गौरीगंज, गिरिडीह, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोटन, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुर रोड, गोविंदपुरी, गुरुवायूर, हाफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हापा, हरपालपुर, हर्रावाला, हाथरस सिटी, हाई-टेक सिटी, हिमायतनगर, होडल, होसपेटे, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जालंधर छावनी जंक्शन, जलपाईगुड़ी रोड, जाम जोधपुर, जाम वंथाली, जनगांव, जींद जंक्शन, जॉयचंदी पहाड़ जंक्शन, जुन्नोर देव, कहलगांव, काकीनाडा टाउन जंक्शन, कालका, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी साउथ, कटरासगढ़, केडगांव, केसिंगा, खैरथल, खलीलाबाद, खंभालिया, खरियार रोड, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कोटद्वार, कुलितुरई, कुट्टिपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोणांद जंक्शन, मधुपुर जंक्शन, महबूबाबाद, माहे, महुवा, मैलानी जंक्शन, मजबत, मलकापुर, माम्बलम, मण्णापरै, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, मावेलिक्करा, एमसीएस छतरपुर, मीठापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मुरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नामक्कल, नंदुरा, नर्मदापुरम, नरवाना जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, निडदवोलु जंक्शन, नीलांबुर रोड, ओखा, ओराई, ओरछा, पाकुड़, पलानी, पालीताना, पानागढ़, पनकी धाम, परमक्कुडी, परप्पनंगाडि, परेल, पारलाखेमुंडी, फाफामऊ जंक्शन, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, प्रतापनगर, प्रयाग जंक्शन, राज नंदगांव, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामागुंडम, रामगढ़ छावनी, रामघाट हाल्ट, राणिबेन्नूर, रायनपाडु, सबौर, सहारनपुर जंक्शन, साहिबगंज, सलेमपुर, सामाख्याली, सामलपट्टी, सांची,

शंकरपुर, सरोना, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, सावदा, सिवनी, शहाड, शाजापुर, शामली, शिवनारायणपुर, शिवपुरी, शोलावंदन, शोरणुर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिमुलतला, सिउड़ी, सोजत रोड, सोमेसर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुब्रमण्य रोड, सुल्लुरपेटा, सुरैमनपुर, स्वामीनारायण छापिया, तालचेर, तामलुक, टनकपुर, थालास्सेरी, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, टीकमगढ़, तिरूर, तिरुवण्णमलै, त्रिपुनिथुरा, तुनी, उदगमंडलम, उझानी, उरकुरा, उत्राण, वडकारा, वडाला रोड, विदिशा, विंध्याचल, वृद्धाचलम जंक्शन, वडकांचेरी, वारंगल।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर निष्पादित किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग से मंजूरी, विमानपत्तन मंजूरी इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन लंबे समय से परिचालन में हैं जिनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ व उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य की प्रगति और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए भारतीय रेल का एक सुस्थापित तंत्र है, जिसमें समीक्षा, निरीक्षण और कार्यों की गुणवत्ता की जांच शामिल है। कार्यों को विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टियों का पालन करते हुए किया जाता है। समय-समय पर विभिन्न एजेंसियों और पदाधिकारियों द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुसार निरीक्षण और जांच की जाती है और क्षतियों सहित सुधार के लिए तत्काल कार्रवाई की जाती है। यह एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

*****